

डॉ. मार्व विल्सन, भविष्यवक्ता, सत्र 32, यशायाह का पीड़ित सेवक

© 2024 मार्व विल्सन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 32 है, यशायाह का पीड़ित सेवक।

ठीक है, मैं शुरू करने के लिए तैयार हूँ।

आइए प्रार्थना करें। यह दिन आपने बनाया है। हमें इस दिन आपके बच्चे बनकर खुशी हो रही है।

हम इस परिसर में एक छात्र, एक प्रोफेसर का जीवन जीने के कार्य के लिए खुद को आपके प्रति समर्पित करते हैं। आपका धन्यवाद कि हम यहाँ एक आस्थावान समुदाय का हिस्सा हैं जो एक-दूसरे की परवाह करता है। हम प्रार्थना करते हैं कि इस दिन हमें इस परिसर में निराश लोगों को उठाने, प्रोत्साहन और आशा के शब्द बोलने का अवसर मिले।

हम आपका धन्यवाद करते हैं कि आप हमें कभी नहीं छोड़ते, तब भी जब हम खुद पर निराश या हतोत्साहित हो सकते हैं। यशायाह के लिए धन्यवाद जो ईश्वर की खुशखबरी में आशा देता है, कि भले ही इतिहास में असफलताएँ हों और व्यक्तिगत रूप से हमारे पास उलटफेर और प्रश्न चिह्न और संघर्ष और समस्याएँ हों, कि अंततः आप एक विजयी ईश्वर हैं और आप अपने लोगों को अंततः जीत से अंतिम जीत तक ले जाते हैं। इसमें हम अपने प्रभु मसीह के माध्यम से धन्यवाद के साथ इस दिन विश्राम करते हैं। आमीन।

क्या आप में से किसी के पास आहाज, यशायाह, इमानुएल, अल्मा, पेटुला, पार्थेनोस और कंपनी पर मेरे द्वारा की गई पिछली प्रस्तुति से कोई प्रश्न है? मुझे आशा है कि मैंने इसे स्पष्ट कर दिया है। यदि आप एक क्लासिक, ऐतिहासिक, रूढ़िवादी, पारंपरिक ईसाई हैं और कुंवारी जन्म की शिक्षा को स्वीकार करते हैं, जो इस तरह के लेबल के साथ आता है, तो सही कारणों से उस पर विश्वास करें।

इस पर विश्वास मत करो क्योंकि वहाँ अल्मा शब्द पाया जाता है और उससे भी ज़्यादा है। विवाह योग्य आयु की युवतियाँ, लेकिन जैसा कि मैंने दिखाने की कोशिश की, लेखकों की ओर से उन अन्य प्रकार के योग्यताओं को अधिक स्पष्टता देने के लिए आवश्यक था। और इसीलिए ईसाई होने के नाते हम कुंवारी जन्म को स्वीकार करते हैं, क्योंकि वे स्पष्ट करने वाले वाक्यांश मैथ्यू के सुसमाचार में पाए जाते हैं, विशेष रूप से पार्थेनोस के संबंध में जो गर्भवती होगी।

ठीक है, अगर आपके पास कोई सवाल या टिप्पणी नहीं है, तो मैं आज पीड़ित सेवक पर जाना चाहता हूँ। यह विषय पवित्रशास्त्र में एक प्रमुख विषय है। और यह फिर से एक ऐसा विषय है जो तुरंत ही ईसाइयों और यहूदियों के बीच समानताओं को ही नहीं बल्कि अक्सर व्याख्या के अंतरों को भी दर्शाता है।

आप और मैं एक प्रो फुटबॉल गेम में एक आदमी को एक साइनबोर्ड पकड़े हुए देख सकते हैं जिस पर लिखा है यशायाह 53, और जब यहूदी पाठक खुद से पूछते हैं, यशायाह 53 क्या है, और देखें कि यहूदी टिप्पणीकारों ने प्रभु के सेवक को कैसे समझा है, तो वे आम तौर पर इसे खुद को एक सामूहिक रूप से पीड़ित लोगों के रूप में संदर्भित करते हैं। और इसी तरह से पैगंबर इवाड याहवे, प्रभु के सेवक की इस अवधारणा का वर्णन कर रहे हैं। और इसलिए, इज़राइल को भगवान का सेवक होने के लिए बुलाया गया था, लेकिन अक्सर अन्य शक्तियों द्वारा उसे खत्म कर दिया गया।

दूसरी ओर, ईसाई जो यशायाह 53 के चिन्ह को देखते हैं, उसे वैसे ही देखते हैं जैसे मेल गिब्सन चाहते थे कि ईसाई इसे समझें, क्योंकि उन्होंने अपनी फिल्म की शुरुआत यशायाह 53 के एक उद्धरण से की थी, जो आपको तुरंत मसीह के जुनून की ओर ले जाता है। नए नियम के लेखक यशायाह 53 से विस्तृत रूप से उद्धरण देते हैं और उस पीड़ित सेवक की बहुत स्पष्ट तरीके से व्याख्या करते हैं, राष्ट्र के दुखों का उल्लेख नहीं करते हैं, बल्कि इस विशेष मामले में, ईश्वर के पीड़ित सेवक, उनके अद्वितीय पुत्र, जो अपनी मृत्यु और अंततः अपने पुनरुत्थान के माध्यम से पीड़ित होते हैं, जो उसके बाद हुआ। यह एक वर्णन है, इसका एक पूर्वानुमानित वर्णन।

अंतर क्यों? पुराने नियम के पीछे की शब्दावली, जिसे हम नया नियम कहते हैं, हिब्रू बाइबिल के शुरुआती विश्वासियों के लिए एक धार्मिक व्याख्या है। हमारे यहूदी मित्रों के पास भी उनके मिद्दाश, उनकी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ हैं, और जब रब्बियों ने विभिन्न टिप्पणियों को एक साथ रखा, विशेष रूप से चर्च के जन्म के बाद की शताब्दियों में, हम दोनों समुदायों के बीच एक अलग अंतर देखते हैं। इसमें से कुछ विरोधात्मक अवज्ञा का एक हिस्सा हो सकता है।

ईसाई-यहूदी चर्चा में हमारे पास कुछ ऐसा ही है। आप जो भी मानते हैं, एक ईसाई के रूप में, मैं इसके विपरीत मानता हूँ। और शुरू से ही, चीजों को काफी अलग तरीके से परिभाषित किया जाता है।

यीशु एक यहूदी हो सकते हैं, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि वह न केवल वही व्यक्ति हैं, क्योंकि वह यहूदी हैं, जो ईसाइयों और यहूदियों को एक साथ लाते हैं, बल्कि वह वही व्यक्ति हैं जो ईसाइयों और यहूदियों को विभाजित भी करते हैं क्योंकि हम उन्हें अपने व्यक्तिगत दृष्टिकोणों से बहुत अलग तरीके से व्याख्या करते हैं, जो हमारे मामले में, पवित्रशास्त्र से प्राप्त होते हैं। इसलिए हमारे पास यशायाह 53 के लिए अपनी खुद की अंतर्निहित टिप्पणी है, और यशायाह 53 के बारह छंदों में से नौ को मसीह के जीवन, मूल्य, कार्य और विशेष रूप से जुनून के साथ संबंध बनाने की कोशिश में नए नियम से उद्धृत किया गया है। अभिव्यक्ति, प्रभु का सेवक, या एबेद यहोवा, केवल यशायाह 53 में ही नहीं पाया जाता है, बल्कि यह वास्तव में हिब्रू बाइबिल में कई तरह से इस्तेमाल किया गया है।

पुराने नियम में कुलपिताओं को यहोवा के सेवक कहा गया है। मूसा को गिनती 12:7 में प्रभु के सेवक के रूप में वर्णित किया गया है। यहोशू, इसी तरह की भाषा।

2 शमूएल 7 में अत्यधिक धार्मिक डेविडिक वाचा के अंश में, दाऊद को प्रभु का सेवक कहा गया है। भविष्यवक्ता भी प्रभु के सेवक हैं, जैसा कि हमने इस पाठ्यक्रम की शुरुआत में देखा था। और यहाँ तक कि बेबीलोन के मूर्तिपूजक राजा नबूकदनेस्सर को भी।

मत भूलिए कि अगर साइरस को मशीआच, मसीहा कहा जा सकता है तो कभी-कभी कितनी दूर तक श्रेणियाँ खींची जाती हैं। यानी, अभिषिक्त व्यक्ति जो 538 में अपने आदेश के माध्यम से, इस्राएल को घर वापस आने की अनुमति देने वाला एजेंट था, जिसकी शुरुआत उन्होंने 536 ईसा पूर्व में की थी।

इसलिए, ये अभिव्यक्तियाँ, जिन्हें हम आस्था रखने वाले बहुत ही खास घर के लोगों तक सीमित रखना चाहते हैं, ईश्वर कभी-कभी हमें याद दिलाता है कि ईश्वर ही इतिहास का निर्माता है। हज़ारों पहाड़ियों पर चरने वाले मवेशी उसके हैं। चाँदी और सोना भी उसका है।

यह भजन हाग्वै नामक भविष्यद्वक्ता से लिया गया है। वह राष्ट्रों को ऊपर उठाता है, वह राष्ट्रों को गिराता है। भजनकार कहता है कि राष्ट्रों का क्रोध भी उसकी स्तुति करने का एक तरीका है।

जब हम इस तरह की चीजें पढ़ते हैं तो यह हमारी कुछ धार्मिक श्रेणियों को बढ़ाता है, लेकिन हम देख सकते हैं कि कैसे परमेश्वर अंततः इतिहास की बड़ी तस्वीर को आकार देता है और इसे अपने हिसाब से निर्देशित करता है। वह इतिहास का परमेश्वर है, न कि केवल इस्राएल के इतिहास का। और जैसा कि हेसू कहते हैं, वह इस्राएल के दुश्मनों का भी परमेश्वर है, लेकिन वे इसे नहीं जानते।

इस बारे में सोचो। ठीक है, एबेद-याहवे। वे लोग जो परमेश्वर के उद्देश्य को पूरा करते हैं।

और मैं सुझाव देना चाहता हूँ कि प्रभु के सेवक का प्रयोग यशायाह की पुस्तक में चार अलग-अलग तरीकों से किया जा सकता है। मैंने आपको कुछ तरीके बताए हैं जिनमें यशायाह के बाहर प्रभु के सेवक का प्रयोग किया गया है। यशायाह के अंदर से देखें तो क्या प्रभु के सेवक शब्द का प्रयोग कभी कॉर्पोरेट, राष्ट्रीय या जातीय इस्राएल के लिए किया गया है? और इसका उत्तर हाँ है।

यह कई जगहों पर इस्राएल पर लागू होता है। यशायाह के अध्याय 41, श्लोक 8 को लें। हे इस्राएल, मेरे सेवक याकूब, जिसे मैंने चुना है, हे मेरे मित्र अब्राहम के वंशज, मैंने तुम्हें पृथ्वी के छोर से बुलाया है। मैंने तुम्हें बुलाया है, तुम मेरे सेवक हो, मैंने तुम्हें चुना है।

इस्राएल का संदर्भ देते हुए, जो याकूब और उसके वंशज, बनी यिसराएल, इस्राएल के पुत्र थे। और वाचा के वादे परमेश्वर के चुने हुए लोगों को दिए गए थे। एक और संदर्भ, 42:6। मैं, यहोवा, ने तुम्हें धार्मिकता में बुलाया है।

मैं तुम्हारा हाथ थाम लूंगा। मैं तुम्हारी रक्षा करूंगा और तुम्हें लोगों के लिए वाचा और अन्यजातियों के लिए ज्योति बनाऊंगा। यह एक अभिव्यक्ति है।

इस्राएल को अन्यजातियों के लिए एक ज्योति बनना था। और वास्तव में, इसीलिए हम में से अधिकांश लोग आज यहाँ हैं क्योंकि इस्राएल को लाओर गोइम, अर्थात् राष्ट्रों के लिए एक ज्योति बनने के लिए बुलाया गया था।

अब उसी अंश को बाद में नए नियम में उठाया गया है और इसका दूसरा अर्थ है गवाह। लेकिन यहाँ अपने मूल संदर्भ में, इस्राएल को यहूदी जीवन में सबसे अधिक बार की जाने वाली प्रार्थना, अर्थात् व्यवस्थाविवरण 6,4 और उसके बाद के शेमा का हिब्रू पाठ में गवाह होना था।

हे इस्राएल, सुन, यहोवा हमारा परमेश्वर है, यहोवा एक ही है। यहूदी विद्वानों और शास्त्रियों ने पाठ की प्रतिलिपि बनाने के लिए जानबूझकर व्यवस्थाविवरण 6 की आयत 4 को पुराने नियम के साक्षी पाठ के रूप में उजागर किया। पहला शब्द शेमा है, जो हिब्रू अक्षरों में से एक आयिन के साथ समाप्त होता है।

और फिर अंतिम शब्द, एहाद, जिसका अर्थ है एक, दलेत के साथ समाप्त होता है। और इसलिए, जब आप दुनिया में किसी भी हिब्रू बाइबिल को खोलते हैं, तो आप हमेशा पाते हैं, और यह हिब्रू बाइबिल में बहुत ही दुर्लभ है, ऐसे अक्षर खोजना जो बहुत अलग दिखते हैं क्योंकि वे पंक्ति के अन्य अक्षरों की तुलना में बहुत बड़े हैं। और वे दो अक्षर, आयिन, और दलेत, जब आप उन्हें एक साथ उच्चारण करते हैं, तो वे शब्द एड बन जाते हैं।

एड का मतलब है साक्षी। आदिम, साक्षी, बहुवचन। एक यहूदी ने अपने विश्वास की गवाही कैसे दी? खैर, जैसा कि रब्बियों ने शेमा में पहले और आखिरी शब्द को इन दो अक्षरों से उजागर किया है, आप ईश्वर की एकता के साक्षी हैं, आपके आस-पास के सभी लोग जो बहुदेववादी हैं, उनके विपरीत।

और इसलिए, उदाहरण के लिए, महान रब्बी अकीवा, 135 में, जब रोमियों ने लोहे के पंजों को गर्म करके उनका मांस फाड़ दिया, जब तक कि वे लाल गर्म न हो जाएं, और वे शहीद हो गए। प्रारंभिक रब्बीनिक स्रोतों में बताया गया है कि उन्होंने यह शब्द एहाद पढ़ा, जो ईश्वर के एक होने के लिए शब्द है, जो थोड़ा सा था, तुम्हारे चेहरे पर तुम रोमियों, जिनके पास देवताओं की बहुलता है, ईश्वर एक है। प्रारंभिक चर्च ने सहायता या गवाही के इस बिंदु को इतनी दृढ़ता से समझा, यहां तक कि मृत्यु के बिंदु तक भी।

प्रारंभिक यूनानी समुदाय ने ग्रीक शब्द मार्टीरियो का इस्तेमाल किया, जिसका अर्थ है गवाही देना या गवाही देना। बेशक, हमारा अंग्रेजी शब्द शहीद अंततः उसी मूल से निकला है। वह कौन था जिसने गवाही दी या गवाही दी? नए नियम को पढ़ें, जहाँ उस शब्द मार्टीरियो की प्रमुख भूमिका है, क्योंकि चर्च की प्रारंभिक परंपरा के अनुसार, 12 प्रेरितों में से 11 ने शहादत देकर अपनी मृत्यु प्राप्त की।

इसलिए, इस्राएल को पवित्र शास्त्र के रहस्योद्घाटन के माध्यम से, पूरी दुनिया के सामने नैतिक एकेश्वरवाद की गवाही देनी थी। तुम मेरे गवाह हो, मेरे सेवक हो जिन्हें मैंने चुना है। इस्राएल परमेश्वर का सेवक था।

यशायाह 42:19 सिर्फ़ एक अनुस्मारक है कि प्रभु के सेवक के बारे में ये सभी अंश यशायाह के तथाकथित सेवक गीतों में बिखरे हुए नहीं हैं, और यशायाह के दूसरे भाग में कई सेवक गीत बिखरे हुए हैं। ये सभी विशेष रूप से यीशु का संदर्भ नहीं देते हैं। 42:19 इसका एक उदाहरण है।

इसमें कहा गया है, "देखो, तुम बहरे हो और देखो, तुम अंधे हो और देखो।" कौन बहरा और अंधा है? यह इस्राएल है, मसीहा नहीं, नए नियम में यीशु नहीं। 42:19 में कहा गया है, "मेरे सेवक के अलावा कौन अंधा है, और मेरे भेजे हुए दूत के समान बहरा है? मेरे प्रति समर्पित व्यक्ति के समान कौन अंधा है, यहोवा के सेवक एबेद के समान अंधा है?" तो यहाँ सर्वशक्तिमान द्वारा अपने लोगों को थोड़ी फटकार लगाई गई है, जिन्हें संदेशवाहक बनने के लिए बुलाया गया है, लेकिन वे संदेश भूल गए थे, और उस पर जीना भूल गए थे।

और इसलिए, एक अर्थ में, परमेश्वर एक विश्वासघाती सेवक को दण्डित कर रहा है। ठीक है, मैं आपको अन्य पाठ दे सकता हूँ, लेकिन यशायाह में प्रभु के सेवक को समझने का एक तरीका, इस्राएल के लिए एक लोगों के रूप में है। एबेद-याहवे को समझने का दूसरा तरीका, उन्हें एक धर्मी अवशेष के रूप में देखना है।

हिब्रू बाइबिल में ऐसे स्थान हैं जहाँ इस्राएल का उल्लेख एक आदर्श इस्राएल के रूप में किया गया है या एक ऐसे इस्राएल के रूप में जो अक्सर अवज्ञाकारी, पापी इस्राएल से अलग है, जिसकी निंदा यशायाह को हमेशा करनी पड़ती थी। लेकिन, दूसरे शब्दों में, यह एक धर्मी अवशेष को संदर्भित करता है, 44:1, लेकिन अब हे याकूब, हे मेरे दास इस्राएल, जिसे मैंने चुना है, सुनो। और वह आगे बढ़ता है, और इस्राएल के लिए इस दिलचस्प शब्द का उपयोग करता है, यशूरुन।

जेशूरुन, जिसे मैंने चुना है। अब, हिब्रू में, याशर का अर्थ है सीधा आगे। और इसलिए, कुछ लोगों ने इसे स्नेह के शब्द के रूप में देखा है, जेशूरुन, यानी सीधा व्यक्ति।

वह जो सीधा है। सेप्टुआजेंट अनुवादकों को ठीक से पता नहीं था कि इसके साथ क्या करना है। वे इसे अगापेटोस, प्रिय व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

सर्वशक्तिमान द्वारा अपने लोगों के लिए स्नेह का एक प्रकार का शब्द। लेकिन यह ईमानदार, एक शब्द जिसका उपयोग व्यवस्थाविवरण 32:15 में और व्यवस्थाविवरण 33 में कई बार किया गया है, यशूरुन। यह परमेश्वर के लोगों के लिए किसी प्रकार के स्नेह का शब्द है।

और इसलिए, अध्याय 44 में उनका इस तरह से वर्णन किया गया है। हे याकूब, हे मेरे दास यशूरुन, हे मेरे चुने हुए, मत डर। क्योंकि मैं प्यासी भूमि पर जल और सूखी भूमि पर नदियां बहाऊंगा।

मैं अपनी आत्मा तेरे वंश पर उंडेलूंगा, और अपनी आशीष तेरे वंश पर डालूंगा। वे घास के मैदान में घास की तरह, और बहती हुई नदियों के किनारे चिनार के पेड़ों की तरह उगेंगे। कोई कहेगा, मैं यहोवा का हूँ।

और कोई अपना नाम याकूब रखेगा। और कोई अपने हाथ पर यहोवा का नाम लिखेगा। और अपना नाम इस्राएल रखेगा।

यहाँ तक कि इस आदर्श इस्राएल की यह इच्छा, यह इस्राएल जो एक धार्मिक अवशेष है, इस्राएल के भीतर इस्राएल, यहाँ तक कि अन्य लोग भी उससे आकर्षित होंगे और उनके साथ पहचान बनाना चाहेंगे। यहाँ तक कि शायद कुछ भविष्यवाणी भी हो सकती है जिसे हम उत्पत्ति के शुरुआती अध्यायों में देखते हैं जो गैर-यहूदियों के शेम के तंबू में प्रवेश करने की बात करते हैं। आकर्षक भविष्यसूचक विचार कि हम गैर-यहूदी खुद को समझाने या परिभाषित करने का एकमात्र तरीका शेम के माध्यम से है।

अगर हम इस्राएल से नहीं आते हैं तो हमारी कोई परिभाषा या पहचान नहीं है। गलातियों 3:29, अगर तुम मसीह के हो, तो तुम अब्राहम की संतान हो। और इसलिए इस्राएल का वह विस्तारित संस्करण वाचा के रूप में विस्तृत होता है और अब्राहम के अन्य बच्चों को शामिल करने के लिए अधिक समावेशी बन जाता है।

ठीक है, एक धर्मी अवशेष है। और ऐसे अन्य अंश हैं जहाँ स्वयं भविष्यवक्ता को देखा जा सकता है। और जब हम सभी फिलिप के अफ्रीकी, इथियोपियाई नपुंसक के साथ मुठभेड़ के उस दिलचस्प अंश के बारे में सोचते हैं, जैसा कि उसे कभी-कभी कहा जाता है।

फिलिप ने उसे एक स्कॉल के साथ संघर्ष करते हुए देखा, तुम क्या पढ़ रहे हो, और क्या तुम इसे समझते हो? और इथियोपियाई ने कहा, नहीं, मैं इसे तब तक नहीं समझ सकता जब तक कोई मेरी मदद न करे। तो, फिलिप रथ में आ गया। पूछे जाने वाले सवालों में से एक यह है कि क्या भविष्यवक्ता खुद के बारे में बोल रहा है या किसी और के बारे में। वास्तव में, यह एक बहुत ही उचित सवाल है।

प्रेरितों के काम 8:29 में लिखा है कि वह यशायाह को पढ़ रहा है। इसमें फिलिप का जिक्र है, जो एक हेलेनिस्टिक यहूदी था। उसके नाम का अर्थ है घोड़ों का प्रेमी, घोड़ों का दोस्त। फिलिप यरूशलेम छोड़ने वाले पहले लोगों में से एक था, पवित्र शहर से सुसमाचार लेकर गया और उत्तर की ओर सामरियों की ओर बढ़ा क्योंकि वह क्रॉस-कल्चरल प्रभावों के लिए थोड़ा अधिक खुला था।

अब वह अफ्रीका से आए एक और बाहरी व्यक्ति से बात कर रहा है, इथियोपिया का खोजी, जो इथियोपिया की रानी केंडेस का अधिकारी था। और फिलिप्पुस कहता है, क्या तुम समझ रहे हो कि तुम क्या पढ़ रहे हो? जब तक कोई मुझे नहीं समझाता मैं कैसे समझ सकता हूँ? इसलिए, वह फिलिप्पुस को रथ में आने और उसके साथ बैठने के लिए आमंत्रित करता है। प्रेरितों के काम 8:32 में कहा गया है कि खोजी पवित्रशास्त्र के इस अंश को पढ़ रहा था। उसे भेड़ की तरह वध के लिए ले जाया गया, जैसे कि भेड़ का बच्चा अपने कतरने वाले की चुप्पी के सामने ले जाया जाता है, इसलिए उसने अपना मुँह नहीं खोला।

अपने अपमान में, वह न्याय से वंचित था और इसी तरह की अन्य बातें। फिर खोजे ने फिलिप से पूछा, कृपया मुझे बताओ, पैगंबर किसके बारे में बात कर रहे हैं, खुद के बारे में या किसी और के बारे में? खैर, अगले ही श्लोक में, फिलिप ने उसे मिड्राश, उसकी व्याख्या दी, जो पहले से ही समुदाय का हिस्सा थी क्योंकि यीशु ने खुद, अपनी परंपरा में, उन शब्दों के साथ पहचान की थी। और हमारे पास गाजा पट्टी में कहीं बपतिस्मा है।

मुझे नहीं पता कि पानी कहाँ से आया। शायद कैंटीन से। लेकिन हमारे पास बपतिस्मा है।

क्योंकि उसने उसे मसीह में विश्वास करने के लिए प्रेरित किया क्योंकि वह पाठ, उन्होंने कहा, पैगंबर को संदर्भित नहीं करता है। लेकिन वह प्रारंभिक प्रश्न था: क्या यह यशायाह को संदर्भित कर सकता है? खैर, मुझे लगता है कि यशायाह 61 उन स्थानों में से एक हो सकता है, जो अपने मूल संदर्भ में, पैगंबर को संदर्भित करता है, और वह पैगंबर यशायाह है। मैं प्रभु के सेवक विषय के साथ समाप्त होने से पहले इस अंश पर वापस आऊंगा।

लेकिन इस अंश को यीशु ने नए नियम में पहचाना, लेकिन इसके मूल संदर्भ में, मुझे लगता है कि यह स्वयं भविष्यवक्ता है। प्रभु की आत्मा मुझ पर है। और कुछ अर्थों में, भले ही यह सीमित अर्थ हो, भविष्यवक्ताओं को परमेश्वर की आत्मा द्वारा अभिषिक्त किया गया था।

वे ईश्वर की आत्मा के अभिषेक द्वारा बोलते थे। उनके पास गरीबों और टूटे दिल वालों की सेवा करने की सामाजिक चेतना थी। और शायद यह वह भविष्यवक्ता था जो बेबीलोन में गुलामी से मुक्ति, बेबीलोन में कैद से मुक्ति, बंदियों से मुक्ति, जेल के अंधेरे से मुक्ति की घोषणा करेगा।

तो, प्रारंभिक संदर्भ शायद यशायाह 40-66 के उस जोर से संबंधित रहा होगा कि हम घर लौट रहे हैं। मेरे लोगों को सांत्वना दो। हम स्वतंत्र हैं।

लेकिन जिस तरह से परमेश्वर की आत्मा ने इसका अधिक उपयोग करना चाहा, उस जगह पर वापस जाना जहाँ से हमने यह पाठ्यक्रम शुरू किया था, सेंसस प्लीनियर, गहरा अर्थ। यीशु प्रभु के इस सेवक के साथ अपनी पहचान रखता है क्योंकि उसकी सेवकाई समानांतर है। यह एक स्वतंत्र करने वाली सेवकाई है।

यह जेल मंत्रालय है। यह गरीबों, कोढ़ियों के बीच मंत्रालय है। यह अच्छी खबर, भगवान की अच्छी खबर की घोषणा है।

तो, तीसरी संभावना यह है कि प्रभु के सेवक का इस्तेमाल किस तरह से पैगंबर के संदर्भ में किया जा सकता है। अब, यहाँ अंतिम जोर इसे मसीहा के संदर्भ के रूप में देखना है, यीशु के व्यक्तित्व के लिए जो इस धरती पर सांसारिक राजसी वैभव और शक्ति में शासन करने और शासन करने के लिए नहीं आया था, बल्कि वह पीड़ित सेवक बनने के लिए आया था, विनम्रता में आने के लिए, या जैसा कि सुसमाचार कहते हैं, वह ग्रीक में निष्क्रिय क्रियात्मक क्रियात्मक रूप में सेवा करने के लिए नहीं आया था, बल्कि वह सक्रिय क्रियात्मक रूप में सेवा करने के लिए आया था, सेवा करवाने के लिए नहीं, बल्कि सेवा करने के लिए, और बहुतों के लिए अपने जीवन को छुड़ौती के

रूप में देने के लिए। अब, पीड़ित सेवक पर हमारा क्लासिक अंश, यीशु का जिक्र करते हुए, अध्याय 52 है, जो श्लोक 13 से शुरू होता है, और अध्याय 53 के श्लोक 12 तक चलता है।

अब, मैं चाहता हूँ कि आप यहाँ देखें कि पद्य विभाजन और अध्याय विभाजन के बारे में कुछ भी प्रेरित नहीं है। यहाँ पवित्रशास्त्र में उन उदाहरणों में से एक और उदाहरण है जहाँ आपको पाँच छंदों में से पहला पाने के लिए वास्तव में अध्याय 52 के पीछे जाना होगा क्योंकि प्रत्येक छंद में तीन छंद हैं।

और इसलिए, यशायाह 52:13-15 पहला छंद है, और फिर अध्याय 53 में, आपके पास पाँच में से अंतिम चार छंद हैं जो मसीह के मृतकों में से पुनरुत्थान के माध्यम से अंतिम विजय के संदर्भ में चरमोत्कर्ष पर पहुँचते हैं। इसलिए, यशायाह 52-53 के पीड़ित सेवक की पहचान नए नियम के लेखकों द्वारा यीशु के संदर्भ में की गई है। और जबकि इस अंश का उपयोग हफ़्ताराह रीडिंग के हिस्से के रूप में किया गया था, मैंने पहले इसका उल्लेख किया था, अंतर-नियम वर्षों के दौरान उभरे भविष्यवक्ताओं के चयन।

याद रखें, यह मैकाबीज़ ही है जिसने कहा था कि यहूदी लोगों के पास टोरा की प्रतियाँ या ऐसी महिलाएँ नहीं पाई जा सकतीं जिन्होंने अपने बेटों का खतना करवाया हो। और सेल्यूसिड यूनानियों ने यहूदियों पर कुछ बहुत सख्त प्रतिबंध लगाए थे। और इसलिए मैकाबीज़, जो एक पुजारी परिवार से थे, ने जवाबी कार्रवाई करने का फैसला किया।

वे वहाँ बैठकर यहूदी लोगों का हेलेनाइजेशन नहीं करने वाले थे। और बहुत खुशी के साथ, मंदिर पर ज़ीउस के ईगल को स्वीकार करते हैं। और इसलिए, इस समय के दौरान, वे अपने हाथों में टोरा की प्रतियों के साथ नहीं पाए जाना चाहते थे, और इसलिए इन ग्रीक उत्पीड़कों द्वारा मौत का सामना करना पड़ा, और निश्चित रूप से, हनुक्का इसी से निकलता है, यह रोशनी का त्योहार है, लेकिन कई मायनों में, यह धार्मिक स्वतंत्रता और आजादी का त्योहार है।

अर्थात्, हम मृत्यु तक हेलेनाइज़ नहीं होने जा रहे हैं, हम मृत्यु तक समन्वयित नहीं होने जा रहे हैं, हम संस्कृति-परिवर्तन का सामना नहीं करने जा रहे हैं ताकि हम बाकी सभी राष्ट्रों की तरह बन जाएँ। हम धार्मिक स्वतंत्रता के लिए एक स्टैंड लेंगे। और जूडस मैकाबी और उसके भाइयों द्वारा किए गए उस बहादुरी भरे स्टैंड के परिणामस्वरूप, निश्चित रूप से, आठ दिनों के लिए मंदिर की सफाई हुई, और इसलिए हमारे पास बाइबल में जॉन 12.22 है, मुझे लगता है कि संदर्भ, जो यीशु को यरूशलेम में हनुक्का मनाने के लिए संदर्भित करता है, भूमि के लोगों के ग्रीक हेलेनाइजेशन को उखाड़ फेंकने की याद दिलाता है।

इस समय के दौरान, चूँकि यहूदी अपने हाथ में टोरा की एक प्रति नहीं रखना चाहते थे, इसलिए उन्होंने भविष्यवक्ताओं से समन्वित रीडिंग पाई जो एक ही मूल विषय, या एक विषय के थे, जो नियमित टोरा पढ़ने वाले भाग में आ सकते थे। और यशायाह 53, कई शताब्दियों तक, हफ़्ताराह, HAFTARAH का हिस्सा था, लेकिन अंततः इसे हटा दिया गया क्योंकि यहूदियों को कटघरे में खड़ा किया गया और विवाद, धार्मिक विवाद के माध्यम से बुलाया गया, यह उत्तर देने के लिए कि पीड़ित सेवक कौन है? और चूँकि यहूदी हमेशा अपने ईसाई पूछताछकर्ताओं को दोस्ताना जवाब

देने के लिए तैयार नहीं थे, इसलिए हमारे पास एक पूरा साहित्य है जो इन पूछताछ से निपटता है। अंततः, इस शास्त्र को आराधनालय पढ़ने से हटा दिया गया, और इसलिए आज यहूदी हलकों में यह काफी हद तक अज्ञात हो गया है। यह कई यहूदी पाठकों के लिए एक छोटी सी विशेषता बन गई है, यानी इसे पढ़ना उचित या उपयुक्त नहीं है।

यह वही है जो ईसाई पढ़ते हैं, और चूँकि उनके पास इस पर अपना दृष्टिकोण है, फिर से, विरोधी अवज्ञा। हम चीजों को साफ-सुथरा रखने के लिए कहीं और जाएंगे। यहाँ हमारे पास जो कुछ है, उसकी रूपरेखा को देखते हुए, मैं चार मुख्य बिंदु सुझाने जा रहा हूँ।

सबसे पहले, इस सेवक के कष्टों की प्रसिद्धि। यही प्रसिद्धि है, इस सब की शानदार रिपोर्ट। दरअसल, यह कुछ ऐसा है जैसे आप पहले किसी किताब का आखिरी अध्याय पढ़ते हैं, फिर वापस आते हैं।

यहाँ हमारे पास कुछ ऐसा ही है। आप देखेंगे कि वह पहले छंद से ही उत्कर्ष के बारे में बात करना शुरू कर देता है। यदि आप इसे धार्मिक दृष्टि से देखें तो यीशु के जीवन में कोई उत्कर्ष नहीं है, जब तक कि वह मृत्यु से विजय प्राप्त नहीं कर लेता।

मृत्यु पर विजय प्राप्त करने के बाद, ईसाई धर्मशास्त्र के अनुसार, उसके उत्थान के तीन चरण होते हैं: उसका पुनरुत्थान, उसका स्वर्गारोहण, और परमेश्वर के दाहिने हाथ पर उसका बैठना। ये उत्थान के तीन भाग हैं।

लेकिन यह केवल पीड़ा, मृत्यु और दफन के बाद ही आता है। लेकिन यहाँ, यह सेवक, जिसका उल्लेख श्लोक 13 में किया गया है, कहता है, उसके बारे में पहली बात जो हम पढ़ते हैं वह यह है कि वह समृद्ध होने जा रहा है। या, जबकि NIV में समिति के सदस्यों के बीच इस बात पर बहस हुई कि क्या इसका अनुवाद समृद्ध होना चाहिए, और यहीं पर समिति पर अल्पसंख्यक मत यहाँ फुटनोट में समाप्त हो गया।

लेकिन चाहे वह समृद्ध होना हो या बुद्धिमानी से काम करना हो, अगली पंक्ति स्पष्ट रूप से कहती है कि उसे ऊपर उठाया जाएगा और ऊंचा किया जाएगा और अत्यधिक ऊंचा किया जाएगा। एडोनीराम की याद दिलाता है, जडसन गॉर्डन। एडोनीराम, मेरा प्रभु ऊंचा है, यही एडोनीराम का अर्थ है।

मेरे भगवान ऊँचे उठे हुए हैं। राम या रामा एक ऊँचा स्थान है। और यहाँ उनका उल्लेख उनके उत्थान के लिए किया गया है।

जैसा कि पौलुस ने अपने महान केनोसिस मार्ग में, जो फिलिप्पियों 2 में यीशु के खुद को खाली करने की बात करता है, जो परमेश्वर का स्वभाव होने के नाते, परमेश्वर के साथ समानता को कुछ ऐसा नहीं समझा जिसे हासिल किया जा सके, बल्कि उसने खुद को कुछ भी नहीं बनाया, एक सेवक का स्वभाव धारण किया, मनुष्य के रूप में प्रकट होकर, उसने खुद को दीन किया, मृत्यु तक, यहाँ तक कि क्रूस की मृत्यु तक आज्ञाकारी बना रहा। इसलिए, परमेश्वर ने उसे सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित किया और उसे एक ऐसा नाम दिया जो हर नाम से ऊपर है। इसलिए, विनम्रता

के माध्यम से, या खुद को खाली करके, खुद को बिना किसी प्रतिष्ठा के बनाना, या खुद को कुछ भी नहीं बनाना, यानी, अपने दिव्य गुणों के स्वतंत्र अभ्यास को त्यागना, वह इस धरती पर एक सेवक के रूप में चला, एक मनुष्य होने के अपमान को स्वीकार करते हुए, परमेश्वर के पुत्र के रूप में अपने उच्च विशेषाधिकारों को त्याग दिया।

तो, यह पहली चीज़ है जिससे हमारा परिचय कराया जाता है। श्लोक 14 में, यह कहा गया है, जैसे कि बहुत से लोग उससे भयभीत थे, अब हम मेल गिब्सन के चित्रण पर आ रहे हैं, जो पीटा और घायल है, और हमारे पास उसका एक स्त्रैपशॉट है, जिससे लोग उसे देखकर आश्चर्यचकित हो जाते हैं क्योंकि उसका रूप इतना खराब या विकृत था कि वह मानवीय समानता से परे था। तो, उसकी कई मानवीय विशेषताएँ, और जबकि कविता ऊँची है, यह अतिशयोक्तिपूर्ण है, यह आलंकारिक भाषा है, यह काव्यात्मक रूप से एक मौखिक चित्र चित्रित कर रही है, यह सैनिकों के हाथों उसके साथ हुए दुर्व्यवहार को बयां करती है क्योंकि उसकी कई मानवीय विशेषताएँ पहचानने योग्य नहीं थीं।

अगली आयत में लिखा है, इसलिए वह कई राष्ट्रों को चौंका देगा। यहाँ NIV ने एक अलग रीडिंग का विकल्प चुना है, इसलिए वह कई राष्ट्रों को छिड़क देगा। ग्रीक या हिब्रू पाठ में आप जो भी रीडिंग लेते हैं, उसके विभिन्न नियमों में से एक नियम यह है कि अधिक कठिन रीडिंग अक्सर सही रीडिंग होती है, साथ ही छोटी रीडिंग लंबी रीडिंग के विपरीत अधिक सही रीडिंग होती है।

बाद वाला बिंदु, क्योंकि लोग विस्तार करने और एक कोलोफोन लगाने के लिए प्रवृत्त थे, जो किसी चीज़ पर टेलपाइप की तरह होता है, कुछ हद तक विस्तारित होता है, और मूल अधिक संक्षिप्त हो सकता है, और इसलिए शास्त्री साथ आ सकते हैं, और प्रभु की प्रार्थना की तरह, क्योंकि राज्य, शक्ति और महिमा हमेशा के लिए आपकी है, आमीन। यह एक शानदार अंत है, और रविवार की सुबह या यदि आप चाहें तो हर दिन इसे सुनाने में धर्मशास्त्र की दृष्टि से कुछ भी गलत नहीं है। धर्मशास्त्र महान है, और यह मूल शिष्यों की प्रार्थना का हिस्सा नहीं है।

लेकिन 15वीं या 16वीं सदी में किसी लेखक को लगा कि यह अच्छा लगेगा, इसलिए उसने इसे जोड़ दिया। विस्तार। यह पहले से ही बहुत अच्छी यहूदी प्रार्थना थी।

लेकिन हर एक विचार हिब्रू बाइबिल से ही निकला है। यह पैगंबरों और टोरा में पाई जाने वाली चीज़ों का एक संग्रह है। इस विशेष मामले में, राष्ट्रों का छिड़काव इसका संकेत हो सकता है, क्योंकि हिब्रू में वास्तव में यही कहा गया है, किसी तरह की आध्यात्मिक सफाई मन में हो सकती है।

सुसमाचार के प्रसार और लोगों द्वारा जीवन के जल के प्रति प्रतिक्रिया के माध्यम से अंततः किसी प्रकार की आध्यात्मिक सफाई हो सकती है। लेकिन किसी भी मामले में, यह आकृति राजाओं को भी चकित कर देगी, उनके सिर घुमाएगी। पाठ में कहा गया है कि राजा वास्तव में अपना मुंह बंद कर लेंगे।

वे शायद आश्चर्य में ऐसा करेंगे, बोल नहीं पाएंगे क्योंकि वे जीत, उल्लास, विजय के इस तमाशे को देख रहे हैं जो मानव शरीर के इस टुकड़े से निकला है जो मानवीय समानता से परे है। यदि दो टी की कहानी है, त्रासदी से विजय तक, तो यह पवित्रशास्त्र में है। दूसरे छंद के बारे में बस कुछ बातें।

दूसरा छंद अध्याय 53 में प्रवेश करने के बारे में है। जो हमने सुना है उस पर किसने विश्वास किया है? यह परमेश्वर की ओर से यशायाह को दिया गया भविष्यसूचक संदेश है, जो उद्धार का परमेश्वर का शुभ समाचार है।

जो हमने, जिसमें भविष्यवक्ता भी शामिल है, जो हमने सुना है, उस पर किसने विश्वास किया है? और प्रभु का हाथ किस पर प्रकट हुआ है? एक महान मानवरूपवाद है और यशायाह के पास काफी मानवरूपवाद और कुछ मानवविकृतिवाद हैं जो मानव शरीर के रूप या भाग को ईश्वर को बताते हैं। प्रभु का हाथ। प्रभु का हाथ शक्ति के लिए एक कोड शब्द है।

वास्तव में, न्यू इंग्लिश बाइबल प्रभु की भुजा का अनुवाद करती है, उस मुहावरे को लेती है, और उसे उसी अर्थ में फिर से लिखती है। इसका अनुवाद ईश्वर की शक्ति के रूप में करती है। प्रभु की भुजा का उपयोग पूरे शास्त्र में मानवीय मामलों में एक विशेष हस्तक्षेप के बारे में बात करने के लिए किया जाता है जिसके द्वारा ईश्वर लोगों को बचाता है।

वह अक्सर दुश्मनों को सज़ा देता है। उदाहरण के लिए, इसराइल मिस्र से बाहर निकल आया। हमारे पास पलायन है।

हमारे पास येशु, मुक्ति, आज़ादी, रिहाई, मुक्ति है। और उस संदर्भ में, यह परमेश्वर की शक्ति को दर्शाता है। परमेश्वर का हाथ मौजूद है।

मिस्र की भाषा में, फैली हुई भुजा का चित्र ठीक ऐसा ही है। मिस्र एक चित्रात्मक भाषा है। और फैली हुई भुजा, जिसका अनुवाद शक्ति या ताकत के रूप में किया जाता है, मिस्र में आकर्षक है।

यदि आप उस अवधारणा को व्यक्त करना चाहते हैं, तो आप शक्ति या ताकत व्यक्त करने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाते हैं। अंत में, यूहन्ना 12 में, पद 37 से शुरू करते हुए, यीशु अविश्वास के प्रश्न से निपट रहे हैं। और यह कहता है, यूहन्ना 12, पद 37 से शुरू करते हुए, कि यीशु द्वारा उनकी उपस्थिति में ये सभी चमत्कारी चिह्न दिखाने के बाद भी, वे उस पर विश्वास नहीं करेंगे।

यह यशायाह नबी के वचन को पूरा करने के लिए था। हे प्रभु, हमारे संदेश पर किसने विश्वास किया है, और किस पर प्रभु का भुजबल प्रकट हुआ है? अगले ही श्लोक में, वह यशायाह को उद्धृत करना जारी रखता है, जिसमें अंधी आँखें, मृत हृदय और देखने और समझने में असमर्थता का उल्लेख है।

हाँ, यूहन्ना 12:37-41। इसलिए, हृदय की आँखों से देखने की क्षमता, आंतरिक मनुष्य में आध्यात्मिक चीजों को देखने की क्षमता, सुसमाचार को वास्तव में समझने के लिए महत्वपूर्ण है।

और यहाँ यूहन्ना कहता है कि परमेश्वर के चमत्कारी चिन्हों के शक्तिशाली कार्यों के बीच भी, लोगों ने फिर भी विश्वास नहीं किया।

इन बातों को, दिन के अंत में, आध्यात्मिक रूप से समझना होगा। इन्हें केवल बाहरी रूप से नहीं सिखाया जा सकता। इसके साथ ही, हम आज की कक्षा समाप्त करेंगे, और मैं अगली कक्षा में यशायाह 53 से और अधिक बातें सीखूँगा।

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 32 है, यशायाह का पीड़ित सेवक।